BYJU'S EXAM PREP

Weekly Current Affairs

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

(8 to 14 August 2022)

Table of Contents

International Relations……

National……

State……

Economy……

Personality……

Science & Tech ……

Defence ……

Sports……

Important Days……

Awards……

Scheme……

International Relations

स्वीडन और फिनलैंड को अमेरिकी सीनेट ने नाटो में शामिल होने की मंजूरी दी

चर्चा में क्यों:

- अमेरिकी सीनेट द्वारा स्वीडन और फिनलैंड की नाटो सदस्यता को निर्णायक रूप से मंजूरी प्रदान की गयी।

प्रमुख बिंदु:

- नाटो में फिनलैंड और स्वीडन की सदस्यता के प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन का समर्थन प्राप्त था, जिन्होंने जुलाई में इस प्रस्ताव को सीनेट में विचार के लिए भेजा था।
- स्वीडन और फ़िनलैंड द्वारा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मद्देनजर पश्चिमी रक्षा गठबंधन में शामिल होने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था।
- इससे पूर्व फ्रांस की नेशनल असेंबली ने भी प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी।
- किसी भी देश को नाटो का सदस्य बनने के लिए सभी 30 नाटो सदस्य देशों के समर्थन की आवश्यकता होती है, स्वीडन और फ़िनलैंड को वर्तमान में दो तिहाई सदस्य देश समर्थन प्रदान कर चुके हैं।
- इससे पूर्व नाटो में वर्ष 2017 तथा वर्ष 2020 में मोंटेनेग्रो और उत्तरी मैसिडोनिया को सदस्य देश के रूप में शामिल किया गया था, जिसके साथ इसके सदस्य देशो की संख्या 30 हो गयी हैं।
- नाटो जिसे उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के रूप में जाना जाता है, की स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को 12 संस्थापक सदस्यों द्वारा अमेरिका के वाशिंगटन में की गयी थी।
- नाटो एक अंतर- सरकारी सैन्य संगठन है, जिसका मुख्यालय बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में स्थित है।
- नाटो सामूहिक रक्षा के सिद्धांत पर कार्य करता है, जिसके अनुसार यदि एक या अधिक सदस्यों पर आक्रमण होता है तो यह आक्रमण सभी सदस्य देशों पर आक्रमण माना जाता है।
- सामूहिक रक्षा के सिद्धांत नाटो के अनुच्छेद 5 में निहित है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए आतंकवादी हमले के पश्चात लागू किया गया था।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

लैंग्या हेनिपावायरस चीन में पाया गया

चर्चा में क्यों:

- चीन के कुछ हिस्सों में लैंग्या हेनिपावायरस के 35 नए मामलो की पुष्टि हुई हैं।

प्रमुख बिंदु:

- लैंग्या हेनिपावायरस पहली बार वर्ष 2018 में शेडोंग और हेनान के पूर्वोत्तर प्रांतों में पाया गया था।
- लैंग्या हेनिपावायरस का संचरण जानवरों से मनुष्यों में होता हैं, द गार्जियन के अनुसार लैंग्या हेनिपावायरस घरेलू बकरियों तथा पालतू कुत्तो में आसानी से होता है जहाँ से इसका संचरण मनुष्यों में आसानी से फैलता हैं।
- लैंग्या हेनिपावायरस एक नए प्रकार का वायरस है जो जानवरों से इंसानों में फैलता है।
- लैंग्या हेनिपावायरस को मुख्यता लैंग्या हेनिपावायरस लेवी के नाम से भी जाना जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, हेनिपावायरस जानवरों और मनुष्यों में गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है और इसे जैव सुरक्षा स्तर 4 वायरस के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- लैंग्या हेनिपावायरस से संक्रामित व्यक्ति में बुखार, थकान, खांसी और मितली जैसे लक्षण पाए जाते हैं।
- लैंग्या हेनिपावायरस 'कंटेजियन' परिवार का सदस्य है, जिसके लक्षण निपाह वायरस और हेंड्रा वायरस से भिन्न है।

स्रोत: जनसत्ता

आसियान ने 2022 में अपनी 55वीं वर्षगांठ मनाई

चर्चा में क्यों:

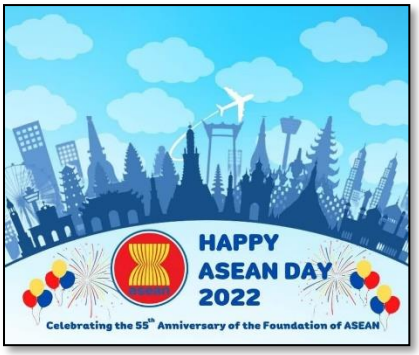

- आसियान सदस्यों द्वारा प्रतिवर्ष 8 अगस्त को आसियान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- वर्ष 2022 को आसियान-भारत मैत्री वर्ष के रूप में मनाया जाता हैं, जो भारत-प्रशांत में साझेदारी और आसियान की केंद्रीयता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस)

द्वारा नई दिल्ली में आसियान-भारत केंद्र (एआईसी) में आसियान की 55वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक पैनल चर्चा का आयोजन भी किया गया हैं।

- इस वर्ष के आसियान दिवस का विषय "मजबूत एक साथ" है जो 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए आसियान के अग्रगामी लोगों को एक साथ सामूहिक रूप से कार्य करने के लिए आमंत्रित करता है।
- वर्ष 1967 के आसियान घोषणापत्र जिसे लोकप्रिय रूप में बैंकॉक घोषणा के नाम से जाना जाता है, पर संस्थापक राष्ट्रों द्वारा हस्ताक्षर करने के साथ आसियान की स्थापना की गयी थी।
- आसियान के संस्थापक राष्ट्र इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड हैं।
- आसियान (ASEAN) का पूरा नाम Association of Southeast Asian Nations है, जो दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन एक क्षेत्रीय संगठन है जिसका गठन एशिया-प्रशांत के उपनिवेशी राष्ट्रों के बढ़ते तनाव के बीच राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये किया गया था।
- आसियान का सचिवालय इंडोनेशिया के राजधानी जकार्ता में स्थित है।
- इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार, कंबोडिया आसियान के सदस्य राष्ट्र हैं।

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स

चीन: पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण

चर्चा में क्यों:

- चीन द्वारा लॉन्ग मार्च -2 एफ वाहक रॉकेट के साथ एक पायलट पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- अंतरिक्ष यान, जिसे चीन के जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्च किया गया था, पुन: उपयोग के लिए तकनीकी सत्यापन प्रदान करने के उद्देश्य से कुछ समय के लिए कक्षा में संचालित होने के पश्चात एक नियोजित लैंडिंग साइट पर वापस आ जाएगा।
- चीन का लॉन्ग मार्च 2F लॉन्च व्हीकल मुख्यत चीन के शेनझोउ क्रू मिशन को लॉन्च करता है जिसमें पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 8 मीट्रिक टन की पेलोड क्षमता है।

- नवीन अंतरिक्ष यान अमेरिकी वायु सेना के X-37B अंतरिक्ष विमान के समान आकार का है जिसे लॉन्ग मार्च 2F और इसके पेलोड को 'पुन: प्रयोज्य परीक्षण अंतरिक्ष यान' के प्रक्षेपण में सहायता के लिए संशोधित किया गया हैं।
- इससे पूर्व, चीन द्वारा सितंबर 2020 में एक पुन: प्रयोज्य प्रायोगिक अंतरिक्ष यान का कक्षीय परीक्षण किया गया था जिसने कक्षा में सिर्फ 2 दिन का समय व्यतीत किया था।
- यह मिशन चीनी मुख्य अंतरिक्ष एजेंसी, CASC द्वारा निर्मित किया गया हैं।

स्रोत: ग्लोबल टाइम्स

National

नई दिल्ली ने आईटीयू के क्षेत्रीय मानकीकरण फोरम की मेजबानी की

चर्चा में क्यों:

- एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के लिए आईटीयू के क्षेत्रीय मानकीकरण फोरम (आरएसएफ) का उद्घाटन श्री देवुसिंह चौहान द्वारा किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- फोरम का विषय "दूरसंचार/आईसीटी के विनियामक तथा नीतिगत पक्ष" है।
- फोरम की बैठक के पश्चात अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार यूनियन-टी अध्ययन समूह 3 क्षेत्रीय समूह एशिया तथा ओशिनिया (आईटीयू-टी एसजी3आरजी-एओ) की चार दिवसीय बैठक (9 अगस्त, 2022 से 12 अगस्त, 2022) का भी आयोजन किया गया हैं।
- क्षेत्रीय मानकीकरण फोरम विचारों के रचनात्मक आदान-प्रदान का एक मंच है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ सतत् डिजिटल परिवर्तन और आईटीयू मानकों की भूमिका, उभरते बाजारों में डिजिटल और वित्तीय समावेश के लिए टेक्नोलॉजी का दोहन, डाटा मूल्य श्रृखंला तथा डिजिटल स्वास्थ्य जैसे प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के अनुभव सहित मानकीकरण विषयों पर चर्चा को शामिल किया गया है।
- आईटीयू के क्षेत्रीय मानकीकरण फोरम का उद्देश्य विभिन्न उप-विषयों के अंतर्गत नीति और नियामक दृष्टि से एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के अनुभव के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

- इस वर्ष आईटीयू के क्षेत्रीय मानकीकरण फोरम की बैठक में 20 देशों के 250 से अधिक प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया है।
- ITU की स्थापना 17 मई, 1865 को गयी थी तथा यह UN की एक विशेष एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- यह सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का प्रभारी है तथा इसके 193 सदस्य राष्ट्रों में 900 से अधिक व्यावसायिक, अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठन, साथ ही शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं।

स्रोत: पीआईबी

पीएम मोदी पानीपत में 2जी एथेनॉल प्लांट राष्ट्र को समर्पित करेंगे

चर्चा में क्यों:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरियाणा के पानीपत में 900 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित दूसरी पीढ़ी (2 जी) इथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गयी इस परियोजना का उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र को अधिक किफायती, सुलभ, कुशल और टिकाऊ बनाने के लिए प्रधानमंत्री के निरंतर प्रयास के अनुरूप है।
- अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक पर आधारित, यह परियोजना सम्पूर्ण वर्ष में लगभग तीन करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पन्न करने के लिए 1 वर्ष में लगभग दो लाख टन चावल के भूसे की खपत करेगी।
- इस परियोजना का लक्ष्य संयंत्र संचालन में शामिल लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करना है साथ ही चावल के भूसे की कटाई, हैंडलिंग, भंडारण आदि के लिए आपूर्ति श्रृंखला में अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करना है।
- यह योजना प्रति वर्ष लगभग 3 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन के बराबर ग्रीनहाउस गैसों को कम करने में सहायक होगी, जिससे देश की सड़कों पर 1 वर्ष में लगभग 63,000 कारों को ईंधन की आपूर्ति होगी।

स्रोत: लाइवमिंट

अकासा एयर: मुंबई-अहमदाबाद उड़ान के साथ भारत की नवीनतम एयरलाइन की शुरुआत

चर्चा में क्यों:

- मुंबई से अहमदाबाद के लिए अकासा एयर की पहली उड़ान का उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- अकासा एयर एसएनवी एविएशन के ब्रांड नाम वाली 7वीं शेड्यूल एयरलाइन है, जिसका कॉरपोरेट मुख्यालय मुंबई में बोइंग मैक्स - 8 विमान के साथ स्थित है।
- अकासा एयर का उद्देश्य सिंगल फ्लीट और सभी इकोनॉमी सीटों के साथ कम लागत वाली एयरलाइन वाहक बनना है।
- अकासा एयर का लक्ष्य पांच वर्षों में अपनी गतिविधियों को 72 विमानों तक विस्तारित करना है जिससे भारत में घरेलू विमानन सेवाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
- टाटा संस-सिंगापुर एयरलाइन के संयुक्त उद्यम विस्तारा द्वारा वर्ष 2015 में परिचालन शुरू करने के पश्चात से अकासा एयर द्वारा सात वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी हैं।
- अकासा एयरलाइन की स्थापना राकेश झुनझुनवाला द्वारा विमानन दिग्गज विनय दुबे तथा आदित्य घोष के साथ की गयी है।
- विनय दुबे इससे पूर्व अप्रैल 2019 तक जेट एयरवेज के सीईओ थे, जबकि आदित्य घोष, द्वारा इससे पूर्व इंडिगो का नेतृत्व किया गया था।

स्रोत: द हिंदू

संस्कृति मंत्रालय ने "भारत की उड़ान" पहल शुरू की है

चर्चा में क्यों:

- संस्कृति मंत्रालय और गूगल द्वारा भारत की अटल, अमर भावना और इसकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए 'इंडिया की उड़ान' पहल की शुरुआत की गयी।

प्रमुख बिंदु:

- इंडिया की उड़ान उत्सव को दिल्ली में एक विशेष समारोह के साथ शुरू किया गया जो संस्कृति मंत्रालय और गूगल के बीच दशक भर की जारी साझेदारी का हिस्सा है।
- इंडिया की उड़ान योजना को संयुक्त उद्यम आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित किया गया है।
- इंडिया की उड़ान योजना के तहत गूगल कला और संस्कृति, द्वारा एक विशेष प्रदर्शनी का अनावरण किया गया, जिसे गूगल की टीम द्वारा पिछले 75 वर्षों में उपलब्धि हासिल करने वालों और बड़े बदलाव लाने वाले क्षणों का सम्मान करने के लिए तैयार किया गया है।
- गूगल कला और संस्कृति, द्वारा तैयार की गयी प्रदर्शनी में देश की बड़ी उपलब्धियों को ऑगमेंटेड रियलिटी तकनीक का उपयोग करते हुए पेश किया गया हैं, जिसमें भारतीय हस्तशिल्प और देश के लिए कुछ खास करने वाली महिलाओं की कहानियां को भी शामिल किया गया हैं।
- इंडिया की उड़ान कार्यक्रम में इंडियाज गॉट टैलेंट 2022 के विजेता दिव्यांश और मनुराज द्वारा एक शानदार कार्यक्रम पेश किया गया तथा क्लिंटन सेरेजो और उनकी टीम के द्वारा एक विशेष प्रदर्शन भी प्रस्तुत की गयी, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों के कलाकारों को उनके क्षेत्र विशेष की संस्कृति और संगीत के साथ भारत की विविध ध्वनियों को जीवंत करते हुए और 'भारत की ध्वनि' बनाने के लिए एक साथ लाया गया था।

स्रोत: पीआईबी

संस्कृति मंत्रालय का 'बढ़े चलो' अभियान

चर्चा में क्यों:

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत के युवाओं से जुड़ने और उनमें देशभक्ति की गहरी भावना पैदा करने के उद्देश्य से 'बढ़े चलो कैम्पिंग' की शुरुआत की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- बढ़े चलो कैम्पिंग का लक्ष्य आजादी का अमृत महोत्सव के बड़े पैमाने पर पहुंच के लिए 'युवा केंद्रित सक्रियण' बनाना है।
- बढ़े चलो अभियान को भारत के युवाओं को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसके तहत युवाओ को भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

- बढ़े चलो कैम्पिंग अभियान का उद्देश्य भारत के सभी हिस्सों के युवाओं और लोगों को एक मंच पर लाना हैं, बढ़े चलो अभियान में फ्लैश डांस को भी शामिल किया गया हैं जिसे 'बढ़े चलो' की थीम पर लिखा और कंपोज किया गया है।
- मंत्रालय का उद्देश्य इन फ्लैश नृत्यों के माध्यम से अमृत महोत्सव के संदेश और भावना का प्रसार करना भी है।
- बढ़े चलो अभियान का संचालन 5 अगस्त से 10 अगस्त 2022 तक 10 शहरों में प्रतिदिन किया जायेगा तथा अभियान का ग्रैंड फिनाले 12 अगस्त 2022 को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में संपन्न होगा।
- केंद्र सरकार द्वारा प्रगतिशील भारत के 75 वर्षों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, उपलब्धियों और इसके लोगों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव पहल शुरू की गयी थी।

स्रोत: पीआईबी

भारत: 2023 तक कालाजार को खत्म करने का लक्ष्य

चर्चा में क्यों:

- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2023 तक देश से कालाजार को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वर्ष 2030 तक इस बीमारी को खत्म करने के लक्ष्य से पूर्व है।

प्रमुख बिंदु:

- काला अजार को लीशमैनियासिस भी कहा जाता है जो एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग है, जिससे भारत सहित 100 से अधिक देश प्रभावित हैं।
- लीशमैनियासिस में बुखार, वज़न में कमी, प्लीहा और यकृत में सूजन आदि लक्षण होते हैं।
- काला अजार रोग लीशमैनिया नामक परजीवी के कारण होता है जो रेत की मक्खियों के काटने से फैलता है।
- लीशमैनियासिस या काला अजार के मुख्यता तीन प्रकार है जिसमें
    - विसरल लीशमैनियासिस जिसे इस बीमारी का सबसे गंभीर रूप माना जाता है यह शरीर के सम्पूर्ण अंगों को प्रभावित करता है।
    - त्वचीय लीशमैनियासिस का प्रभाव त्वचा के घावों में होता है तथा यह त्वचा को गंभीर रूप से प्रभावित करता हैं।
    - म्यूकोक्यूटेनियस लीशमैनियासिस से त्वचा और म्यूकोसल जैसे घाव होते है।

- भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2002 में वर्ष 2010 तक कालाज़ार उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे पूर्ण ना होने के कारण वर्ष 2015 में संशोधित किया गया था।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

State

K-DISC ने रोजगार को बढ़ावा देने के लिए लिंक्डइन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

चर्चा में क्यों:

- केरल विकास और नवाचार रणनीति परिषद द्वारा केरल ज्ञान अर्थव्यवस्था मिशन (केकेईएम) के तहत केरल के आईसीटी अकादमी (आईसीटीएके) द्वारा लिंक्डइन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रमुख बिंदु:

- केरल सरकार द्वारा यह समझौता राज्य सरकार की पहल कॅरियर टू कैंपस कैम्पेन (सीसीसी) के तहत किया गया है।
- कॅरियर टू कैंपस कैम्पेन राइट जॉब @ राइट टाइम के उद्देश्य के साथ कार्य करता है, जो वैश्विक श्रम बाजारों में बदलाव और छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए कौशल की जरूरतों के बारे में युवाओं में जागरूकता को बढ़ावा देता है।
- केरल सरकार का लक्ष्य लिंक्डइन का उपयोग करके प्रासंगिक नौकरियां प्राप्त करने के लिए केरल के युवाओं के बीच इस साझेदारी के साथ रोजगार कौशल को बढ़ावा देना है।
- इस योजना के तहत केरल राज्य सरकार द्वारा लिंक्डइन पर छात्रों के लिए विभिन्न उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें लिंक्डइन इनसाइट्स, क्यूरेटेड लिंक्डइन लर्निंग कोर्स और लिंक्डइन जॉब्स शामिल हैं।
- केरल डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्ट्रैटेजी काउंसिल केरल सरकार द्वारा गठित एक रणनीतिक थिंक-टैंक और सलाहकार निकाय है।
- आईसीटीएके केरल के युवाओं को आईसीटी कौशल प्रदान करने के लिए सार्वजनिक भागीदारी मॉडल में बनाया गया एक सामाजिक उद्यम है, जो केरल सरकार और आईटी उद्योग की साझेदारी के तहत भारत सरकार द्वारा भी समर्थित है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने 22वें 'भारत रंग महोत्सव' का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों:

- महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा मुंबई के रवींद्र नाट्य मंदिर में 22वें 'भारत रंग महोत्सव' का शुभारंभ किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- 22वें भारत रंग महोत्सव का आयोजन संयुक्त रूप से केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और पी.एल देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी द्वारा मुंबई में किया जा रहा है।
- 22वें भारत रंग महोत्सव को हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए पांच दिवसीय नाट्य उत्सव (9 अगस्त से 13 अगस्त, 2022) तक आयोजित किया जा रहा है।
- इस आयोजन के दौरान भारत रंगमंच के मंच से महाराष्ट्र की प्रसिद्ध थिएटर हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा।
- 22वें भारत रंग महोत्सव, 2022 के हिस्से के रूप में, दिल्ली, भुवनेश्वर, वाराणसी, अमृतसर, बेंगलुरु और मुंबई में 16 जुलाई से 14 अगस्त, 2022 तक 30 नाटकों का मंचन भी शामिल है।
- भारत रंग महोत्सव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1999 में शुरू किया गया था जो एक वार्षिक रंगमंच महोत्सव है।
- भारत रंग मंच का उद्देश्य देश भर में रंगमंच के विकास और प्रगति को बढ़ावा देना था।
- मूल रूप से भारत में सबसे रचनात्मक रंगमंच श्रमिकों के काम को प्रदर्शित करने वाला राष्ट्रीय महोत्सव अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में विकसित हुआ है, जो दुनिया भर से थिएटर कंपनियों की मेजबानी कर रहा है, और अब यह एशिया का सबसे बड़ा रंगमंच उत्सव है।
- भारत सरकार द्वारा वित्त-पोषित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय हमारे देश का अग्रणी रंगमंच प्रशिक्षण संस्थान है।

स्रोत: पीआईबी

काकोरी ट्रेन एक्शन एनिवर्सरी पर सीएम योगी ने किया 'रेडियो जयघोष' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों:

- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के जश्न के हिस्से के रूप में काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में "रेडियो जयघोष" की शुरुआत की गयी हैं।

प्रमुख बिंदु:

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदर्शन कलाओं, उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय विशिष्टताओं, लोक कला और वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बढ़ावा देने के लिए, राज्य का संस्कृति विभाग एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन विकसित किया गया है जिसके तहत "रेडियो जयघोष" भी इसका एक हिस्सा है।
- लखनऊ में संगीत नाटक अकादमी के द्वारा "रेडियो जयघोष" 107.8 मेगाहर्ट्ज पर श्रव्य किया जायेगा जिसमें प्रतिदिन सुबह 6 से रात 10 बजे तक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जायेगा।
- रेडियो जयघोष के मोबाइल एप्लिकेशन और सोशल मीडिया पेजों की भी कार्यक्रमों तक पहुंच प्रदान की गयी हैं।
- दैनिक रेडियो कार्यक्रम "पराक्रम" और "शौर्य नगर" में राज्य के सभी 75 जिलों के लोककथाएं को शामिल किया गया हैं और स्वतंत्रता पूर्व और बाद के दोनों युगों के बहादुर सैनिकों के साथ-साथ "रेडियो जयघोष" पर अनसुने नायक भी शामिल किये जायेंगे।
- इसके साथ साथ, सरकार द्वारा शुरू किये गए "रेडियो जयघोष" पर शिक्षा पर नियमित शो भी उपलब्ध होंगे।

स्रोत: लाइवमिंट

आंध्र प्रदेश सरकार ने कोनसीमा जिले का नाम डॉ बी आर अंबेडकर के नाम पर रखा

चर्चा में क्यों:

- आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कोनसीमा जिले का नाम परिवर्तित कर डॉ बीआर अंबेडकर कोनसीमा कर दिया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- कोनसीमा जिले का गठन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गोदावरी जिले का विभाजन करके किया गया था।
- किसी भी जिले का नाम परिवर्तित करने का अधिकार सम्बंधित राज्य सरकार के पास होता है
- किसी भी जिले का नाम परिवर्तित करने का अधिकार सम्बंधित राज्य सरकार के पास होता है।
- किसी भी जिले के नाम परिवर्तन का प्रस्ताव तीन चरणों में संपन्न किया जाता है जिसके-
  1. पहले चरण में किसी भी विधानसभा सदस्य (एमएलए) द्वारा एक प्रस्ताव के रूप में अनुरोध करना शामिल है।
  2. दूसरे चरण में शहर या जिले का नाम बदलने के अनुरोध पर विचार-विमर्श को शामिल किया जाता है।

3. अंतिम चरण में संकल्प की वैधता पर मतदान किया जाता है। यदि प्रस्ताव के पक्ष में बहुमत होता है, तो उक्त प्रस्ताव को पारित घोषित कर दिया जाता है तथा जिले या शहर का नाम परिवर्तत कर दिया जाता है और यदि किसी संकल्प के लिए अधिकांश मत प्राप्त नहीं होते हैं, तो संकल्प विफल हो जाता है।

- किसी भी जिले का नाम परिवर्तित करने का प्रस्ताव में साधारण बहुमत से पास किया जाना आवश्यक होता है।
- बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म वर्ष 1891 में मध्य प्रांत के महू में हुआ था।
- बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का जनक माना जाता है तथा वह भारत के पहले कानून मंत्री के साथ साथ संविधान निर्माण की मसौदा समिति के अध्यक्ष भी थे।

स्रोत: जनसत्ता

यूपी सरकार की 'पंचामृत योजना' के तहत किसानों की आय दोगुनी करने की योजना

चर्चा में क्यों:

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'पंचामृत योजना' के तहत किसानों की आय दोगुनी करने की योजना का शुभारंभ किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- यूपी सरकार द्वारा पंचामृत योजना को लागत प्रभावी तकनीकी उपायों की शुरूआत और सह-फसल पद्धति को बढ़ावा देने के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।
- प्रारम्भ में इस योजना को राज्य में कुल 2028 किसानों का चयन शरद ऋतु के मौसम से पहले मॉडल भूखंड विकसित करने के लिए किया जाएगा।
- यूपी सरकार द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, पंचामृत योजना को गन्ने की उत्पादन लागत को कम करने के साथ-साथ पांच तकनीकों के माध्यम गन्ने की बुवाई के लिए एक एकीकृत ट्रेंच विधि, प्रबंधन, कचरा मल्चिंग, ड्रिप सिंचाई और सह-फसल को शामिल किया गया हैं।
- यूपी सरकार की 'पंचामृत योजना' का उद्देश्य पानी की बचत और गन्ने की पराली और पत्तियों के अधिकतम उपयोग के माध्यम से लागत को कम करना, उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बचाना, अधिक उत्पादकता के लिए एक से अधिक फसलों की खेती को बढ़ावा देना और साथ ही साथ किसानों की आय में वृद्धि करना है।
- इस योजना के तहत सरकार द्वारा उन किसानों को भी सम्मानित किया जायेगा जो पंचामृत योजना को लागू करते हैं।

- उत्तर प्रदेश सरकार की पंचामृत योजना का लक्ष्य किसानों को कृषि की लागत कम करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए कृषि की नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

स्रोत: लाइवमिंट

उत्तराखंड सरकार ने प्रत्येक जिले में एक संस्कृत भाषी गांव विकसित करने का निर्णय लिया

चर्चा में क्यों:

- उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य के 13 जिलों में से प्रत्येक में एक संस्कृत भाषी गांव विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- इस मिशन के तहत उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा मंत्री तथा इन गांवों के नागरिकों को दैनिक संचार के माध्यम के रूप में प्राचीन भारतीय भाषा का उपयोग करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।
- इस योजना के तहत सरकार द्वारा स्थानीय लोगों को भाषा में संवाद करने का तरीका सिखाने के लिए चयनित गांवों में संस्कृत शिक्षकों को भेजने का प्रावधान शामिल किया गया हैं।
- नागरिको को संस्कृत में दक्षता हासिल करने में सहायता हेतु वेद और पुराण का पाठन भी इस योजना के तहत किया जायेगा।
- इस योजना के तहत "संस्कृत ग्राम" कहलाने के लिए, इनमें से प्रत्येक गाँव प्राचीन भारतीय संस्कृति के केंद्र के रूप में नामित होगा।
- संस्कृत उत्तराखंड राज्य की दूसरी आधिकारिक भाषा है जबकि राज्य की पहली आधिकारिक भाषा हिंदी है।
- उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की पहल शुरू की है।
- उत्तराखंड राज्य से पूर्व कर्नाटक राज्य में केवल एक संस्कृत भाषी गाँव मात्तुर गांव है।

स्रोत: लाइवमिंट

Important News: Economy

एक्सिस बैंक एक्सिस रिसीवेबल्स सूट (एआरएस) लॉन्च करने वाला पहला भारतीय बैंक बना

चर्चा में क्यों:

- एक्सिस बैंक, भारत का तीसरा सबसे बड़ा निजी क्षेत्र बैंक, एक्सिस रिसीवेवल्स सूट (ARS), एक अभिनव नकद प्रबंधन प्रस्ताव पेश करने वाला भारत का पहला बैंक बन गया है।

प्रमुख बिंदु:

- एक्सिस रिसीवेबल्स सूट (ARS) प्राप्तियों के समाधान को सुव्यवस्थित करता है तथा ग्राहक अनुभव को बढ़ाने के साथ साथ नकदी प्रवाह को भी बढ़ाता है।
- एक्सिस रिसीवेवल्स सूट का प्रयोग सामन्यता व्यवसाय करने की लागत को कम करने के लिए किया जाता है।
- एक्सिस रिसीवेवल्स सूट एक मोबाइल ऐप के साथ एंड-टू-एड समाधान के रूप में कार्य करता है जिसका उद्देश्य ग्राहकों द्वारा उठाए गए बिक्री चालान के खिलाफ प्राप्तियों के समाधान को स्वचालित करने के लिए किया जाता हैं।
- एक्सिस बैंक द्वारा एक्सिस रिसीवेवल्स सूट का निर्माण समय लेने वाला, महंगा, मैनुअल और त्रुटि प्रवण कार्य को समाप्त करने के लिए किया गया हैं जिसकी सहायता से ग्राहक सम्पूर्ण रूप से अनुकूलित और स्वचालित करने के लिए कर सकते हैं।
- एक्सिस रिसीवेवल्स सूट का प्रयोग सभी प्राप्तियों पर रीयल-टाइम प्रबंधन के लिए भी किया जा सकता है जिसकी सहायता से ग्राहक को उनके आगामी / लंबित भुगतानों को आसानी से देख सकते हैं।
- एक्सिस बैंक की स्थापना वर्ष 1993 में की गयी थी जिसका मुख्यालय महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित है।
- वर्तमान में एक्सिस बैंक लिमिटेड के MD और CEO अमिताभ चौधरी हैं।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

सेबी ने विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए 15 सदस्यीय समिति का गठन किया

चर्चा में क्यों:

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा गठित समिति में एक्सचेंज एंड क्लियरिंग कॉरपोरेशन के सीईओ, डिपॉजिटरी, कानूनी विशेषज्ञ, कंसल्टेंसी फर्म और विदेशी बैंकों के अन्य प्रतिनिधियों को शामिल किया गया हैं।
- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा गठित समिति की अध्यक्षता पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) केवी सुब्रमण्यम द्वारा की जाएगी।
- सेबी द्वारा गठित सलाहकार समिति का मुख्य कार्य मौजूदा प्रक्रियाओं की समीक्षा करके विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय बाजारों में निवेश करने के तरीकों को आसान बनाना है।
- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा गठित नवीन समिति को 'एफपीआई सलाहकार समिति' या एफएसी के रूप में जाना जाता है।
- सेबी द्वारा इस समिति का गठन भारत के पूंजी बाजारों में निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने और निवेश बढ़ाने के नए तरीके सुझाने के लिए किया गया है।
- सेबी द्वारा गठित इस समिति का उद्देश्य घरेलू बॉन्ड बाजारों में भागीदारी बढ़ाने में मदद करना, निवेश को आकर्षित करने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मौजूदा नियमों में बदलाव लाने के नए तरीके की सिफारिश करना है।
- नवगठित 15 सदस्यीय समिति का लक्ष्य अभिरक्षकों से संबंधित मुद्दों पर भी सरकार को सिफारिश देना हैं।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

यूनियन बैंक ने शीर्ष 3 पीएसबी में शामिल होने की अपनी रणनीति के रूप में 'रेस' लक्ष्य निर्धारित किया है

चर्चा में क्यों:

- यूनियन बैंक द्वारा शीर्ष 3 पीएसबी में शामिल होने की अपनी रणनीति के रूप में 'रेस' लक्ष्य निर्धारित करने का निर्णय गया है।

प्रमुख बिंदु:

- रेस से अभिप्राय-
  - खुदरा, कृषि और MSME ऋण में वृद्धि,
  - संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार,
  - चालू खाता, बचत खाता जमा में वृद्धि हैं।
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लक्ष्य शीर्ष तीन पीएसबी ऋणदाताओं में शामिल होना तथा सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में एक प्रतियोगी बैंक के रूप में शामिल होना हैं।
- रेस के तहत यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का उद्देश्य बैंक की लाभप्रदता और शुद्ध ब्याज मार्जिन में वृद्धि करना तथा गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात को कम करने के साथ साथ जोखिम-भारित परिसंपत्ति अनुपात के लिए पूंजी में वृद्धि करना हैं।
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जिसे यूनियन बैंक या यूबीआई के रूप में जाना जाता है, भारत में एक सरकारी स्वामित्व वाला बैंक है
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 120 मिलियन से अधिक ग्राहक के साथ वार्षिक 106 बिलियन अमेरिकी डॉलर राजस्व वाला बैंक है, जिसकी वर्तमान में लगभग 9500 शाखाएँ हैं।
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखाएं भारत से अलग सिडनी, दुबई, एंटवर्प और हांगकांग में भी हैं।
- विदेशो में शाखा के अतिरिक्त, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अबू धाबी, बीजिंग और शंघाई में प्रतिनिधि कार्यालय भी स्थापित किये गए हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Personality

न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित को भारत का 49वां मुख्य न्यायाधीश (CJI) नियुक्त किया गया है।

चर्चा में क्यों:

- न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित को भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- राष्ट्रपति द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सर्वोच्च

न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित को भारत का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

- इससे पूर्व अगस्त 2014 में न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित को बार काउंसिल से भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 (2) के प्रावधानों के तहत, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय और राज्यों में उच्च न्यायालयों के कुछ न्यायाधीशों (राष्ट्रपति इस उद्देश्य के लिये जितने न्यायाधीशों के परामर्श को उपयुक्त समझे) के परामर्श के बाद की जाती हैं।
- भारतीय सविंधान के अनुसार, मुख्य न्यायधीश के लिए निम्न अर्हताएं होना आवश्यक हैं-
  1. उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
  2. उसे किसी उच्च न्यायालय का कम से कम 5 साल के लिए न्यायाधीश होना चाहिए, या उसे उच्च न्यायालय या विभिन्न न्यायालयों में मिलाकर 10 वर्ष तक वकील होना चाहिए या राष्ट्रपति के मत में उसे सम्मानित न्यायवादी होना चाहिए।
  3. भारतीय संविधान में न्यायधीश की नियुक्ति के लिए कोई न्यूनतम आयु का उल्लेख नहीं किया गया है।

स्रोत: पीआईबी

प्रो रामाधर सिंह यूएस हेरिटेज वॉल ऑफ फ़ेम पर पहले भारतीय सामाजिक मनोवैज्ञानिक बने

चर्चा में क्यों:

- अहमदाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, रामाधर सिंह को संयुक्त राज्य अमेरिका में सोसाइटी फॉर पर्सनैलिटी एंड सोशल साइकोलॉजी (एसपीएसपी) की यूएस हेरिटेज वॉल ऑफ फ़ेम पर पहले भारतीय सामाजिक मनोवैज्ञानिक के रूप में नियुक्त किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- प्रो रामाधर सिंह वर्तमान में अहमदाबाद विश्वविद्यालय के अमृत मोदी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।
- प्रो रामाधर सिंह को 25 मार्च, 2022 में मनोवैज्ञानिक विज्ञान में विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- इस नियुक्ति से पूर्व प्रो रामाधर सिंह वर्ष 1990 में सोसायटी के सदस्य के रूप में तथा वर्ष 1992 में सोसायटी के फेलो के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं।

- प्रोफेसर सिंह मनोविज्ञान और प्रबंधन के क्षेत्र में एक सफल शोधकर्ता हैं, जिन्होंने 1980 के दशक के दौरान, प्रमुख अमेरिकी दृष्टिकोण को परिवर्तित किया।
- एशिया में एक विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, प्रो रामाधर सिंह ने भारत में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के माध्यम से और एशिया में एशियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकोलॉजी के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया हैं।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, प्रो रामाधर सिंह द्वारा कई पत्रिकाओं के परामर्श और सहयोगी संपादक और एसोसिएशन फॉर साइकोलॉजिकल साइंस (एपीएस), यूएस की सलाहकार पुरस्कार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया है।
- प्रो रामाधर सिंह द्वारा अपने शोध के माध्यम से इस तथ्य की भी पुष्टि कि की विश्व में संज्ञानात्मक रूप से समृद्ध और गतिशील व्यक्ति कितने थे।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

जगदीप धनखड़ भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुने गए

चर्चा में क्यों:

- जगदीप धनखड़ को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुना गया।

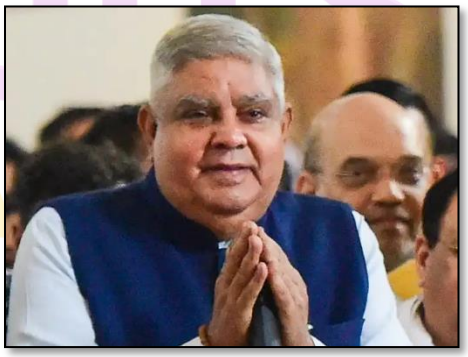

प्रमुख बिंदु:

- जगदीप धनखड़ को एनडीए द्वारा बीजेपी से उम्मीदवार बनाया गया था।
- जगदीप धनखड़ वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात 11 अगस्त को अपना पदभार ग्रहण करेंगे।
- उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कुल 725 सांसदों द्वारा अपने वोट दर्ज किए गए तथा 63 सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव 2022 भाग नहीं लिया गया।
- उपराष्ट्रपति चुनाव में जगदीप धनखड़ को कुल 528 मत मिले जबकि विपक्षी उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को 208 सांसदों का वोट प्राप्त हो सका।
- जगदीप धनखड़ का जन्म 18 मई 1951 को राजस्थान के झुंझुनू जिले के एक सुदूर गाँव में एक कृषि प्रधान घर में हुआ था।
- जगदीप धनखड़ द्वारा अपनी स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ से पूर्ण की तथा राजस्थान विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की।

- जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति बनने से पूर्व वर्ष 1989 से वर्ष 1991 तक झुंझुनूं से लोकसभा सांसद के रूप में कार्यरत रहे तथा इसके पश्चात वर्ष 1990 वर्ष 1991 तक उन्होंने संसदीय कार्य राज्य मंत्री का पदभार संभाला।
- इसके पश्चात जगदीप धनखड़ वर्ष 1993 से वर्ष 1998 तक राजस्थान के किशनगढ़ से विधान सभा के सदस्य के रूप में कार्यरत रहे तथा वर्ष 2019 से वर्तमान तक जगदीप धनखड़ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 68 के अनुसार, उपराष्ट्रपति कार्यालय की समाप्ति के कारण हुई रिक्ति को भरने के लिये चुनाव, निवर्तमान उपराष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व किया जाना आवश्यक है।
- राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 तथा राष्ट्रपति एवं उप-राष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के साथ-साथ संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उपराष्ट्रपति के के चुनाव के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है।
- उप-राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचन मंडल द्वारा किया जाता है जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के मनोनीत सदस्य, लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

स्रोत: द हिंदू

Science & Tech

स्पेसएक्स ने दक्षिण कोरिया का पहला मून मिशन, दानुरी लॉन्च किया

चर्चा में क्यों:

- दक्षिण कोरिया द्वारा अपना पहला चंद्र मिशन लॉन्च किया गया जिसे पृथ्वी की निचली कक्षा से दूर अपना पहला मिशन भी कहा जा सकता है।

प्रमुख बिंदु:

- दक्षिण कोरिया द्वारा शुरू किये गए मिशन को पूर्व में कोरिया पाथफाइंडर लूनर ऑर्बिटर के नाम से जाना जाता था, जिसे वर्तमान में दानुरी के नाम से जाना जाता है।
- दानुरी "चंद्रमा" और "आनंद" के लिए कोरियाई शब्दों पर एक नाटक के रूप में प्रचलित है।
- दक्षिण कोरिया द्वारा प्रारंभ किये गए दानुरी मिशन का संचालन कोरियाई एयरोस्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट (KARI) द्वारा किया गया है।

- कोरियाई एयरोस्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा दानुरी को केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से लॉन्च किया गया था।
- अपने गंतव्य पर वापस आने से पूर्व, दानुरी सूर्य की ओर उड़ान भरेगा तथा दिसंबर के मध्य में चंद्र की कक्षा में प्रवेश करेगा जिसके लिए वह सूर्य द्वारा उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण का उपयोग करेगा।
- 62 मील ऊंची कक्षा में स्थित चंद्रमा पर पहुंचने के पश्चात दानुरी अपने छह विज्ञान उपकरणों (एक मैग्नेटोमीटर, एक गामा-रे स्पेक्ट्रोमीटर, एक प्रयोगात्मक संचार प्रणाली और तीन कैमरे) के साथ शोध संपन्न किया जायेगा।
- यदि दक्षिण कोरिया सफलतापूर्वक इस चंद्र मिशन को पूर्ण कर लेता हैं, तो दक्षिण कोरिया संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ, चीन, जापान, भारत, लक्ज़मबर्ग और यूरोपीय संघ के पश्चात चंद्रमा मिशन को पूर्ण करने वाला आठवां राजनीतिक निकाय बन जाएगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

अंतरिक्ष में तिरंगा प्रदर्शित करने के लिए इसरो ने लॉन्च किया सबसे नन्हा रॉकेट

चर्चा में क्यों:

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा श्रीहरिकोटा सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपना प्रथम लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान, एसएसएलवी-डी1/ईओएस-02 लॉन्च किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- ऐसा पहली बार है जब भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए एसएसएलवी लॉन्च करने में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया हैं।
- इसरो द्वारा प्रक्षेपित एसएसएलवी-डी1/ईओएस-02 को अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट और स्पेस किड्स इंडिया की छात्र की टीम द्वारा विकसित किया है जिसका नाम आजादीसैट रखा गया है।
- भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश के सरकारी स्कूलों की लड़कियों द्वारा आठ किलो के इस क्यूबसैट को बनाने में भाग लिया गया जो लड़कियों को "विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम)" को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के इसरो के प्रयासों का परिणाम है।
- इसरो द्वारा विकसित एसएसएलवी में पहले तीन चरणों में ठोस ईंधन और चौथे चरण में तरल प्रणोदन-आधारित वेग ट्रिमिंग मॉड्यूल का उपयोग किया गया है।

- नवनिर्मित आजादीसैट को इसरो के पीएसएलवी और जीएसएलवी लॉन्च वाहनों की तुलना में न्यूनतम लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होती है।
- आज़ादीसैट में एक लंबी दूरी का ट्रांसपोंडर और एक सॉलिड-स्टेट पिन डायोड-आधारित विकिरण काउंटर को भी शामिल किया गया है जो अपनी कक्षा में आयनकारी विकिरण को मापने में सहायक होंगे।
- कक्षा में आज़ादीसैट के साथ जुड़ने और बातचीत करने के लिए, इसरो स्पेस किड्स इंडिया द्वारा निर्मित एक ग्राउंड सिस्टम को भी इसमें नियोजित किया गया हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Defence

भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'वज्र प्रहार 2022 हिमाचल प्रदेश में शुरू'

चर्चा में क्यों:

- भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास "पूर्व वज्र प्रहार 2022", को हिमाचल प्रदेश के बकलोह में विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल में शुरू किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- पूर्व वज्र प्रहार 2022 वार्षिक अभ्यास का 13 वां संस्करण है।
- पूर्व वज्र प्रहार संयुक्त अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संयुक्त मिशन योजना और परिचालन रणनीति जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करना है।
- पूर्व वज्र प्रहार अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व एसएफटीएस के तत्वावधान में विशेष बल के कर्मियों द्वारा किया गया, जबकि अमेरिकी दल का प्रतिनिधित्व 1 विशेष बल समूह और अमेरिकी विशेष बलों के विशेष रणनीति स्क्वाड्रन के कर्मियों द्वारा किया गया है।
- संयुक्त मिशन योजना और परिचालन रणनीति जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने के उद्देश्य से यह संयुक्त वार्षिक अभ्यास भारत और अमेरिका के बीच वैकल्पिक रूप से आयोजित किया जाता है।
- पूर्व वज्र प्रहार अभ्यास के दौरान 21 दिनों तक, दोनों सेनाओं की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से पहाड़ी इलाकों में सिम्युलेटेड पारंपरिक और अपरंपरागत परिदृश्यों में विशेष अभियानों, आतंकवाद विरोधी

अभियानों और हवाई अभियानों की एक श्रृंखला को प्रशिक्षित, योजना और निष्पादित किया जायेगा।

- पूर्व वज्र प्रहार अभयस दोनों देशों के विशेष बलों के बीच दोस्ती के पारंपरिक बंधन को मजबूत करने के साथ-साथ भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्रोत: द हिंदू

भारतीय सेना और डीएफआई ने 'हिम ड्रोन-ए-थॉन' कार्यक्रम शुरू किया

चर्चा में क्यों:

- भारतीय सेना द्वारा ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से हिम ड्रोन-ए-थॉन कार्यक्रम शुरू किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय सेना द्वारा इस पहल की शुरुआत रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता के अनुरूप की गयी है।
- भारतीय सेना द्वारा शुरू की गयी पहल का उद्देश्य फ्रंटलाइन सैनिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अग्रणी ड्रोन क्षमताओं को विकसित करने के लिए भारतीय ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र को अवसर प्रदान करना है।
- इस योजना के तहत पहले चरण में, हिमालय में सेना के संचालन में उपयोग के लिए ड्रोन विकसित किए जाने के प्रावधान को शामिल किया गया हैं।
- ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया और आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा देश में ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र में ड्रोन प्रौद्योगिकी विकास और स्वदेशीकरण में तेजी लाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।
- ड्रोन फ्रंटलाइन पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों के साथ, क्योंकि सैनिकों को मानव रहित हवाई वाहनों से पेलोड छोड़ने या राष्ट्र-विरोधी तत्वों को सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति करने के खतरों का सामना करना पड़ता है।
- इस योजना के तहत प्रथम चरण में निम्न प्रकार के ड्रोन के विकास को शामिल किया गया है-
  - उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रसद और भार वहन करने वाला ड्रोन
  - स्वायत्त निगरानी या खोज और बचाव ड्रोन
  - निर्मित क्षेत्रों में लड़ने के लिए सूक्ष्म और नैनो ड्रोन।

स्रोत: द हिंदू

गुजरात के गांधीनगर में आयोजित होगा डिफेंस एक्सपो का 12वां संस्करण

चर्चा में क्यों:

- डिफेंस एक्सपो के 12वां संस्करण का आयोजन 18 से 22 अक्टूबर, 2022 तक गुजरात के गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु:

- डिफेंस एक्सपो के 12वां संस्करण का विषय 'पथ टू प्राइड' है।
- डिफेंस एक्सपो के 12वां संस्करण राष्ट्रवादी गौरव का आह्वान करता है और नागरिकों को एक सक्षम स्वदेशी रक्षा उद्योग की स्थापना के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- पांच दिवसीय डिफेंस एक्सपो कार्यक्रम में तीन व्यावसायिक दिन जबकि दो सार्वजनिक दिन को शामिल किया गया हैं।
- डिफेंस एक्सपो कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, डीपीएसयू और उद्योग के उपकरणों और कौशल सेट का प्रदर्शन साबरमती रिवर फ्रंट में सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी और सिंक्रनाइज़ प्रयासों के माध्यम से सभी पांच दिनों में लाइव प्रदर्शन किया जाएगा।
- डिफेंस एक्सपो-2022 का लक्ष्य भारतीय कंपनियों की सक्रिय भागीदारी को आकर्षित करना है।
- डिफेंस एक्सपो-2022 वेबसाइट को विभिन्न स्वदेशी रक्षा उत्पादों के बारे में सूचनात्मक सामग्री की मेजबानी करने और गुजरात में निवेश को बढ़ावा देने के लिए, प्रदर्शकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- डिफेंस एक्सपो 2022 के तहत इस प्रदर्शनी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और वर्ष 2025 तक 5 अरब डॉलर का निर्यात हासिल करने के दृष्टिकोण के अनुरूप तैयार किया गया है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

भारतीय नौसेना की सभी महिला क्रू ने पहला एकल समुद्री मिशन पूरा किया

चर्चा में क्यों:

- नौसेना की महिला अधिकारियों के दल द्वारा डोर्नियर 228 विमान पर उत्तरी अरब सागर में प्रथम स्वतंत्र समुद्री निगरानी मिशन पूरा किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- प्रथम स्वतंत्र समुद्री निगरानी मिशन को गुजरात के पोरबंदर में नौसेना एयर एन्क्लेव स्थित नौसेना की एयर स्क्वाड्रन-आई.एन.ए.एस- 314 की पांच महिला अधिकारियों द्वारा पूरा किया गया।
- मिशन की कप्तानी लेफ्टिनेंट कमांडर आंचल शर्मा द्वारा की गयी तथा उनकी टीम में पायलट लेफ्टिनेंट शिवांगी और लेफ्टिनेंट अपूर्वा गीते को शामिल किया गया था। मिशन में सामरिक और सेंसर अधिकारी के रूप में लेफ्टिनेंट पूजा पांडा और सब लेफ्टिनेंट पूजा शेखावत द्वारा मिशन को पूर्ण करने में सहयोग दिया गया।
- इस अभियान के लिए महिला अधिकारियों द्वारा कई महीनों तक प्रशिक्षण प्राप्त किया गया तथा इस ऐतिहासिक यात्रा से पूर्व उन्हें मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई थी।
- आई.एन.ए.एस.- 314 गुजरात के पोरबंदर स्थित नौसेना की प्रमुख स्क्वाड्रन है।

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर

Sports

राष्ट्रमंडल खेल 2022

चर्चा में क्यों:

- बर्मिंघम में 22वें राष्ट्रमंडल खेल का समापन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- 11 दिन तक आयोजित 22वें राष्ट्रमंडल खेलो में 72 देशों के पांच हजार से अधिक खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया गया।
- समापन समारोह में राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाले 72 देशों के खिलाड़ियों द्वारा अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ स्टेडियम का चक्कर लगाया गया।
- राष्ट्रीय ध्वज के साथ भारतीय दल का नेतृत्व मुक्केबाज निकहत जरीन और टेबिल टेनिस खिलाडी अचंता शरत कमल द्वारा किया गया।
- समापन के पश्चात राष्ट्रमंडल खेल संघ का ध्वज ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत को सौंप दिया गया, विक्टोरिया प्रांत द्वारा वर्ष 2026 में अगले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की जाएगी।
- 22वें राष्ट्रमंडल खेलो में बैडमिंटन में पीवी सिंधु ने महिला एकल का खिताब अपने नाम किया, जबकि लक्ष्यसेन ने पुरुष एकल में विजय प्राप्त की।

- 22वें राष्ट्रमंडल खेलो में पुरुष युगल मुकाबले में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रनकीरेड्डी द्वारा तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया गया।
- 22वें राष्ट्रमंडल खेलो में टेबल टेनिस में अचंता शरत कमल ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि जी. साथियान ने पुरुष एकल का कांस्य पदक अपने नाम किया।
- 22वें राष्ट्रमंडल खेलो में इस वर्ष पुरुष हॉकी में भारतीय टीम को रजत पदक ही प्राप्त हुआ।
- 22वें राष्ट्रमंडल खेलो में भारत 22 स्वर्ण सहित कुल 61 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।
- 67 स्वर्ण, 57 रजत और 54 कांस्य पदक सहित कुल 178 पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया पदक तालिका में प्रथम स्थान पर रहा जबकि, मेजबान इंग्लैंड 175 पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।
- कॉमनवेल्थ गेम्स एक मल्टीस्पोर्ट इवेंट है, जिसमें कॉमनवेल्थ ऑफ नेशंस के एथलीट्स द्वारा भाग लिया जाता हैं।
- राष्ट्रमंडल खेल महासंघ राष्ट्रमंडल खेलों और राष्ट्रमंडल युवा खेलों की दिशा और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार संगठन है, जिसका मुख्यालय यूके में हैं।

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर

44वां शतरंज ओलंपियाड: उज्बेकिस्तान ने ओपन वर्ग में जीता स्वर्ण, यूक्रेन की महिलाओं की जीत

चर्चा में क्यों:

- उज्बेकिस्तान की टीम ने 44वें शतरंज ओलंपियाड के ओपन सेक्शन में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है।

प्रमुख बिंदु:

- 44वें शतरंज ओलंपियाड में टीम आर्मेनिया द्वारा रजत पदक जबकि भारत-2 टीम द्वारा ओपन वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया गया।
- 44वें शतरंज ओलंपियाड में इस वर्ष महिला वर्ग में यूक्रेन द्वारा स्वर्ण पदक अपने नाम किया गया है जबकि टीम जॉर्जिया द्वारा रजत पदक, तथा भारत-1 टीम द्वारा कांस्य पदका अपने नाम किया गया है।
- 44वें शतरंज ओलंपियाड का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ या विश्व शतरंज महासंघ (FIDE) द्वारा चेन्नई में 28 जुलाई से 09 अगस्त, 2022 तक किया गया था।
- वर्ष 1927 से आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेज़बानी भारत में पहली बार और एशिया में 30 साल के बाद की गयी है।

- 44वें शतरंज ओलंपियाड में इस वर्ष ओपन और महिला टूर्नामेंट को शामिल किया गया था जिसमें प्रतिभागियों की कुल संख्या 1,737 थी, जिसमें ओपन में 937 और महिला स्पर्धा में 800 खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया गया।
- 44वें शतरंज ओलंपियाड का उद्घाटन और समापन समारोह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चेन्नई में किया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) एक गैर-सरकारी संस्थान हैं जो शतरंज के खेल का शासी निकाय है तथा सभी अंतर्राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं को नियंत्रित करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ को वर्ष 1999 में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा वैश्विक खेल संगठन के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी।
- अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ का वर्तमान में लॉज़ेन में मुख्यालय है, परन्तु इसकी शुरुआत वर्ष 1924 में पेरिस में जेन्स ऊना समस के आदर्श वाक्य के तहत की गई थी।

स्रोत: लाइवमिंट

Important Days

विश्व जैव ईंधन दिवस 10 अगस्त को विश्व स्तर पर मनाया गया

चर्चा में क्यों:

- विश्व जैव ईंधन दिवस प्रत्येक वर्ष 10 अगस्त को पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में गैर-जीवाश्म ईंधन के उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- विश्व जैव ईंधन दिवस के दौरान, सरकार और निजी संगठन ऊर्जा के एक अलग स्रोत के रूप में गैर-जीवाश्म ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक साथ आते हैं।
- जैव ईंधन कच्चे तेल पर निर्भरता को कम करने के लिए आवश्यक है साथ ही यह एक स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करता है।
- जैव ईंधन के प्रयोग से ग्रामीण लोगों के लिए अधिक रोजगार का सृजन किया जा सकता है।

- जैव ईंधन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी सहायक हैं क्योकि जीवाश्म ईंधन के जलने से कार्बन उत्सर्जन होता है जो हमारी वायु और पर्यावरण के लिए अत्यधिक हानिकारक है।
- वर्ष 1893 में 10 अगस्त को जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल द्वारा मूंगफली के तेल पर अपना डीजल इंजन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था जिसके स्मरण में प्रत्येक वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस के रूप में मनाया जाता हैं।
- भारत में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता हैं।
- भारत में, तीन प्रकार के जैव ईंधन बायोएथेनॉल, बायोडीजल और बायोगैस का उपयोग किया जाता हैं, जिसमें-
    - बायोएथेनॉल का उत्पादन चीनी और स्टार्च फसलों और अधिशेष कृषि अपशिष्ट और बायोमास से किया जाता है।
    - बायोडीजल का उत्पादन विभिन्न प्रकार के वनस्पति तेल और कृषि खेतों और जंगलों से बायोमास कचरे से किया जाता है।
    - बायोगैस का उत्पादन बायोमास कचरे और जानवरों के कचरे के अवायवीय पाचन के माध्यम से किया जाता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

विश्व शेर दिवस 10 अगस्त को विश्व स्तर पर मनाया गया

चर्चा में क्यों:

- विश्व शेर दिवस प्रतिवर्ष 10 अगस्त को विश्व स्तर पर मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- विश्व शेर दिवस का उद्देश्य शेरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा विश्व में शेरो के संरक्षण की दिशा में प्रयास के विषय में जन जागरूकता बढ़ाना है।
- बिग कैट इनिशिएटिव और नेशनल ज्योग्राफिक के डेरेक और बेवर्ली जौबर्ट के प्रयासो से वर्ष 2013 में 10 अगस्त को विश्व शेर दिवस के रूप में घोषित किया गया था।
- इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) द्वारा शेरों को खतरे की प्रजातियों की लाल सूची में एक संवेदनशील प्रजाति के रूप में चिन्हित किया गया है।

- भारत सरकार द्वारा शेरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, उनके सामने आने वाले खतरों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने, उनके प्राकृतिक आवास की रक्षा करना और इस प्रकार के अधिक आवासों का निर्माण करने के लिए अनेक परियोजनाओं की शुरुआत की है।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार अफ्रीका को छोड़कर, विश्व में जंगली शेरों की संख्या में भारी गिरावट आई है।
- भारत में शेरो की संख्या में वृद्धि देखी गयी है, गुजरात के गिर जंगल और बड़े सौराष्ट्र संरक्षित क्षेत्र में गिरावट की लंबी अवधि के पश्चात एशियाई शेरों की आबादी में निरंतर वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2015 और वर्ष 2020 के मध्य, इन संरक्षित क्षेत्रों में शेरो की आबादी 523 से बढ़कर 674 हो गई हैं।

स्रोत: द हिंदू

विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

चर्चा में क्यों:

- विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को सम्पूर्ण विश्व में मनाया जाता हैं।

प्रमुख बिंदु:

- विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस का उद्देश्य मानव अधिकार, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी लोगों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को हल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है।
- विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2022 का विषय "पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण में स्वदेशी महिलाओं की भूमिका" है।
- 23 दिसंबर, 1994 को, UNGA द्वारा संकल्प 49/214 पारित किया गया, जिसमें 9 अगस्त को विश्व के स्वदेशी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया गया था।
- 09 अगस्त 1982 में, स्वदेशी आबादी पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह ने अपनी पहली बैठक आयोजित की थी, जिसके स्मरण में 09 अगस्त को विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता हैं।
- 21 दिसंबर, 1993 को, UNGA द्वारा वर्ष 1993 को विश्व के स्वदेशी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में भी घोषित किया गया था।
- विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस का लक्ष्य विज्ञान के साथ साथ देशी भाषाओं की समझ और संरक्षण, तथा उनकी साधना और दर्शन को समझना हैं।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

राष्ट्र ने भारत छोड़ो आंदोलन की 80वीं वर्षगांठ मनाई

चर्चा में क्यों:

- 8 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माने जाने वाले भारत छोड़ो आंदोलन की 80 वीं वर्षगांठ सम्पूर्ण राष्ट्र में बनायीं गयी हैं।

प्रमुख बिंदु:

- भारत छोड़ो आंदोलन को एक शांतिपूर्ण और अहिंसक आंदोलन माना जाता है जिसका उद्देश्य केवल अंग्रेजों से भारत छोड़ने और स्वतंत्रता प्रदान करने का आग्रह करना था।
- 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी द्वारा ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया गया तथा इसी के साथ मुंबई में अखिल भारतीय काँन्ग्रेस कमेटी के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन को शुरू किया गया।
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गांधीजी ने ग्वालिया टैंक मैदान जिसे वर्तमान में अगस्त क्रांति मैदान के रूप में जाना जाता है, में अपने भाषण में "करो या मरो" का नारा भारतवासियो को दिया।
- भारत छोड़ो आंदोलन को सम्पूर्ण भारत में तीन चरणों में शुरू किया गया था जिसमें-
  1. आंदोलन के पहले चरण में शहरी विद्रोह, हड़ताल, बहिष्कार और धरने को शामिल किया गया था।
  2. आंदोलन के दूसरे चरण में ग्रामीण इलाकों को आंदोलन में शामिल किया गया था।
  3. आंदोलन के तीसरे और अंतिम चरण में अलग-अलग इलाकों जैसे बलिया, तमलुक, सतारा आदि में राष्ट्रीय सरकारों या समानांतर सरकारों के गठन को शामिल किया गया था।
- भारत छोड़ो आंदोलन की मुख्य मांगो में फासीवाद के खिलाफ द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों का सहयोग पाने के लिये भारत में ब्रिटिश शासन को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की मांग तथा भारत से अंग्रेज़ों के जाने के पश्चात एक अंतरिम सरकार बनाने की मांग को शामिल किया गया था।

स्रोत: द हिंदू

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 07 अगस्त को मनाया जाता है।

चर्चा में क्यों:

- भारत में, हथकरघा बुनकरों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- हथकरघा हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है तथा आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है।
- वर्ष 2022 का राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 8वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस है।
- इस वर्ष राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2022 का विषय "हथकरघा, एक भारतीय विरासत" है।
- भारत सरकार द्वारा भारत में हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक पहलों की शुरुआत की है जिसमें, व्यापक हथकरघा क्लस्टर विकास योजना, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, हथकरघा बुनकर व्यापक कल्याण योजना तथा यार्न आपूर्ति योजना जैसी सरकारी योजनायें शामिल हैं।
- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उद्देश्य हथकरघा उद्योग के प्रति जागरूकता लाने के साथ साथ बुनकरों को सम्मानित करना हैं।
- हथकरघा उद्योग भारत का सबसे बड़ा उद्योग है जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
- भारतीय हथकरघा क्षेत्र ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका जैसे विश्व के 20 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करता है।
- वर्तमान में भारत में हथकरघा उद्योग में सभी बुनकरों और संबद्ध कामगारों में 70% महिलाएं हैं।
- वर्ष 1905 में 7 अगस्त के दिन ब्रिटिश सरकार द्वारा बंगाल के विभाजन के विरोध में कलकत्ता टाउन हॉल में स्वदेशी आंदोलन शुरू किया गया था, इसी को स्मरण करने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में घोषित किया।

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

Awards

आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को लद्दाख के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों:

- तिब्बती आध्यात्मिक नेता, दलाई लामा को लद्दाख के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'dPal rNgam Duston' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- दलाई लामा को यह पुरस्कार मानवता के लिए विशेष रूप से केंद्र शासित प्रदेश के प्रति उनके अपार योगदान के लिए प्रदान किया गया है।
- लद्दाख ऑटोनॉमस हिल डेवलपमेंट काउंसिल दलाई लामा को यह छठा पुरस्कार प्रदान किया गया हैं।
- दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म की तिब्बत में सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली परंपरा गेलुग्पा परंपरा से संबंधित हैं।
- तिब्बती बौद्ध धर्म के इतिहास में अभी तक 14 दलाई लामा हुए हैं, 14वें और वर्तमान दलाई लामा 'तेनजिन ग्यात्सो' हैं।
- बौद्ध धर्म के इतिहास के अनुसार, पहले तथा दूसरे दलाई लामाओं को मरणोपरांत दलाई लामा की उपाधि प्रदान की गयी थी।
- गेलुग्पा परंपरा के उच्च लामाओं तथा तिब्बती सरकार द्वारा संयुक्त रूप से दलाई लामा का चयन किया जाता हैं।
- बौद्ध धर्म की परंपरा के अनुसार, दलाई लामा अवलोकितेश्वर और चेनरेज़िग, करुणा के बोधिसत्व और तिब्बत के संरक्षक संत के प्रतीक होते हैं।
- दलाई लामा का अनुरक्षण भारत में किया गया, दलाई लामा वर्ष 1959 के तिब्बती विद्रोह के दौरान हज़ारों अनुयायियों के साथ तिब्बत से भारत आए, तथा भारत में उनका स्वागत पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू द्वारा किया गया, तथा उन्होंने दलाई लामा को धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में 'निर्वासन में तिब्बती सरकार' बनाने की अनुमति प्रदान की।

स्रोत: द हिंदू

Scheme

तेलंगाना सरकार ने लॉन्च किया 'नेथन्ना कू बीमा'

चर्चा में क्यों:

- तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा नेथन्ना कू बीमा योजना के तहत हथकरघा और बिजली करघा बुनकरों के लिए बीमा कवरेज के विस्तार की घोषणा की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- नेथन्ना कू बीमा के तहत राज्य सरकार द्वारा बीमा योजना के तहत बुनकरों के लिए 5 लाख रुपये का बीमा कवरेज बढ़ाने के आदेश ज़ारी किए गए हैं।
- नेथन्ना कू बीमा योजन के तहत बुनकरों के लिए तय किया गया बीमा कवरेज, किसानों की बीमा कवरेज के सामान कर दिया गया है।
- नेथन्ना कू बीमा योजना में 18 से 59 वर्ष के आयु वर्ग के बुनकरों को शामिल किया गया हैं।
- नेथन्ना कू बीमा योजना के तहत बीमे की राशि बुनकर या सहायक कर्मचारी की मृत्यु के पश्चात उक्त सदस्य के परिवार को दी जाएगी।
- सरकार द्वारा इस योजना के तीर्व किर्यान्वयन के लिए हथकरघा विभाग को दिशा-निर्देशों का मसौदा तैयार करने और योजना के कार्यान्वयन के लिए सरकार को उक्त मसौदा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।
- तेलंगाना सरकार का उद्देश्य नेथन्ना कू बीमा योजना के तहत 80 लाख बुनकर परिवारों को इस योजना का लाभ पहुँचाना हैं।
- तेलंगाना सरकार द्वारा नेथन्ना कू बीमा योजना के लिए लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (LIC) के साथ साझेदारी की गयी है।
- नेथन्ना कू बीमा योजना के तहत योजना का सालाना प्रीमियम सरकार द्वारा वहन किया जायेगा जिसके लिए सरकार ने 29 करोड़ रुपये से अधिक राशि का बजट आवंटित किया हैं।

स्रोत: नवभारत टाइम्स

परवाज़ मार्केट लिंकेज योजना

चर्चा में क्यों:

- जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा "परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम" की शुरुआत की गयी।

प्रमुख बिंदु:

- परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम एक अभिनव मार्केट लिंकेज योजना है, जिसमें जम्मू और कश्मीर के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के उपाय को शामिल किया गया है।
- परवाज़ मार्केट लिंकेज योजना को जम्मू और कश्मीर से कृषि और बागवानी की खराब होने वाली वस्तुओं के शिपमेंट के लिए बाजार लिंकेज समर्थन बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया हैं।
- इस योजना के तहत, सरकार द्वारा एयर कार्गो के माध्यम से खराब होने वाले फलों को ले जाने के लिए माल ढुलाई शुल्क पर 25% की सब्सिडी प्रदान की जाएगी।
- इस योजना से प्राप्त होने वाली सब्सिडी को किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण मोड के माध्यम से हंस्तातरित किया जायेगा।
- परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम को जम्मू और कश्मीर बागवानी उत्पाद विपणन और प्रसंस्करण निगम द्वारा कार्यान्वित किया गया है।
- परवाज़ मार्केट लिंकेज स्कीम का लक्ष्य किसानों को उनकी आय दोगुनी करने में लाभान्वित करने का प्रयास करना है।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

सरकार ने लॉन्च किया: मिशन वात्सल्य योजना

चर्चा में क्यों:

- महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों के कल्याण और पुनर्वास के लिए वर्ष 2009-10 से केंद्र प्रायोजित योजना "मिशन वात्सल्य" पूर्ववर्ती बाल संरक्षण सेवा योजना को लागू किया है।

प्रमुख बिंदु:

- मिशन वात्सल्य का उद्देश्य भारत में प्रत्येक बच्चे के लिए एक स्वस्थ और खुशहाल बचपन को सुरक्षित करना है।

- मिशन वात्सल्य का लक्ष्य बच्चो को अपनी पूरी क्षमता का पता लगाने के लिए सक्षम बनाने के अवसर सुनिश्चित करना साथ ही सभी तरह से निरंतर तरीके से फलने-फूलने में उनकी सहायता करना, एक संवेदनशील, सहायक और बच्चों के विकास के लिए समकालिक पारिस्थितिकी तंत्र, किशोर न्याय अधिनियम 2015 के जनादेश को पूरा करने में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता करना तथा एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करना हैं।
- सरकार द्वारा वर्ष 2010 में एकीकृत बाल संरक्षण योजना को शुरू किया गया था जिसका वर्ष 2017 में सरकार द्वारा नाम बदलकर "बाल संरक्षण सेवा योजना" कर दिया गया तथा पुनः वर्ष 2021-22 में इस योजना का नाम मिशन वात्सल्य के रूप में नामित किया गया हैं।
- मिशन वात्सल्य अंतिम उपाय के रूप में बच्चों के संस्थागतकरण के सिद्धांत के आधार पर कठिन परिस्थितियों में बच्चों की परिवार-आधारित गैर-संस्थागत देखभाल को बढ़ावा प्रदान करती है।
- मिशन वात्सल्य को केंद्र और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के मध्य निर्धारित लागत-साझा अनुपात के अनुसार केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया गया है।

स्रोत: पीआईबी

Back to Top↑